भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक
का
31 मार्च 2014 को समाप्त हुए वर्ष का प्रतिवेदन

राज्य का वित्त

मध्य प्रदेश सरकार

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक

का

31 मार्च 2014 को समाप्त हुए वर्ष का प्रतिवेदन

राज्य का वित्त

मध्य प्रदेश सरकार

विषय सूची

विवरण	कंडिका	पृष्ठ क्रमांक
प्राक्कथन		ix
कार्यपालन सारांश		xi
अध्याय 1		
राज्य सरकार के वित्त		
राज्य की रूपरेखा		1
प्रस्तावना	1.1	2
2013-14 में राजकोषीय लेन-देनों का सारांश	1.1.1	3
राजकोषीय स्थिति की समीक्षा	1.1.2	4
बजट अनुमान और वास्तविक आंकड़ें	1.1.3	5
जेण्डर बजटिंग	1.1.4	6
राज्य के संसाधन	1.2	8
वार्षिक वित्त लेखे के अनुसार राज्य के संसाधन	1.2.1	8
राज्य कार्यान्वयन अभिकरणों को राज्य बजट से बाहर निधियों का अंतरण	1.2.2	10
राजस्व प्राप्तियां	1.3	11
राज्य के स्वयं के संसाधन	1.3.1	14
भारत सरकार से सहायता अनुदान	1.3.2	16
केंद्रीय कर अंतरण	1.3.3	17
तेरहवें वित्त आयोग के अनुदानों का अधिकतम उपयोग	1.3.4	17
संभावित राजस्व की हानि (Foregone Revenue)	1.3.5	19
पूंजीगत प्राप्तियां	1.4	20
विनिवेश से प्राप्ति	1.4.1	20
कर्ज एवं अग्रिमों की वसूलियां	1.4.2	20
लोक ऋण प्राप्तियां	1.4.3	21
लोक लेखे प्राप्तियां	1.5	21
संसाधनों का अनुप्रयोग	1.6	21

विवरण	कंडिका	पृष्ठ क्रमांक
व्यय की वृद्धि एवं संरचना	1.6.1	22
पूंजीगत व्यय	1.6.2	24
राजस्व व्यय में वृद्धि की प्रवृत्ति	1.6.3	24
वेतन, ब्याज भुगतान, पेंशन भुगतान एवं राजसहायताओं पर व्यय	1.6.4	25
राज्य सरकार द्वारा स्थानीय निकायों तथा अन्य संस्थाओं को वित्तीय सहायता	1.6.5	28
स्थानीय निकायों की लेखापरीक्षा व्यवस्थाऐं एवं निधियों का हस्तांतरण	1.6.6	29
व्यय की गुणवत्ता	1.7	30
सार्वजनिक व्यय की पर्याप्तता	1.7.1	30
व्यय के उपयोग की दक्षता	1.7.2	31
शासकीय व्यय और निवेशों का वित्तीय विश्लेषण	1.8	33
निवेश तथा प्रतिलाभ	1.8.1	33
अपूर्ण परियोजनाएं	1.8.2	34
राज्य सरकार द्वारा कर्ज तथा अग्रिम	1.8.3	35
रोकड़ शेष एवं रोकड़ शेषों का निवेश	1.8.4	36
परिसम्पत्तियां तथा देयताएं	1.9	37
परिसम्पत्तियों तथा देयताओं की वृद्धि तथा संरचना	1.9.1	37
राजकोषीय देयताएं	1.9.2	37
समस्त ऋणों के परिशोधन के लिए निक्षेप निधि की स्थापना	1.9.3	39
गारंटियों की स्थिति-आकस्मिक देयताएं	1.9.4	39
असंचालित आरक्षित निधियाँ	1.9.5	41
ऋण प्रबंधन	1.10	41
ऋण संधारणीयता	1.10.1	41

विवरण	कंडिका	पृष्ठ क्रमांक
ऋण स्थिरीकरण	1.10.2	42
ऋणेत्तर प्राप्तियों की पर्याप्तता	1.10.3	42
उधार ली गई निधियों की निवल उपलब्धता	1.10.4	42
राज्य ऋण की परिपक्वता रूपरेखा	1.10.5	43
राजकोषीय असंतुलन	1.11	43
राजकोषीय घाटे के संघटक तथा इसकी वित्त व्यवस्था का प्रतिरूप	1.11.1	45
घाटे/आधिक्य की गुणवत्ता	1.12	46
निष्कर्ष एवं अनुशंसाएं	1.13	47
अध्याय 2		
वित्तीय प्रबंधन तथा बजटीय नियंत्रण		
प्रस्तावना	2.1	51
विनियोग लेखे का सारांश	2.2	51
वित्तीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन	2.3	53
आवंटनीय प्राथमिकताओं की तुलना में विनियोग-सारभूत बचतें	2.3.1	53
सतत बचतें	2.3.2	54
योजनाओं के अंतर्गत अधिक व्यय	2.3.3	55
योजनाओं के अंतर्गत अप्रयुक्त प्रावधान	2.3.4	55
2013-14 के दौरान प्रावधान से आधिक्य जिनके नियमन की आवश्यकता है	2.3.5	55
विगत वर्षों से संबंधित प्रावधान से आधिक्य जिनके नियमन की आवश्यकता है	2.3.6	56
अनावश्यक/अत्यधिक/अपर्याप्त अनुपूरक प्रावधान	2.3.7	57
निधियों का अत्यधिक/अनावश्यक पुनर्विनियोग/समर्पण	2.3.8	57
समर्पित न की गई प्रत्याशित बचतें	2.3.9	57
व्यय की अत्यधिकता	2.3.10	57

विवरण	कंडिका	पृष्ठ क्रमांक
निधियों का आहरण एवं सिविल जमा में रखना	2.3.11	58
बजट में नवीन मदों पर व्यय के लिये किए गए प्रावधान का उपयोग न होना	2.3.12	58
अवास्तविक बजट अनुमान	2.3.13	58
चयनित अनुदानों की समीक्षा का परिणाम	2.4	59
सारांशीकृत स्थिति	2.4.1	59
बजट अनुमानों की तदर्थ आधार पर तैयारी	2.4.2	60
व्यय की अत्यधिकता	2.4.3	60
बचत को देरी से/नहीं समर्पित किया जाना	2.4.4	60
अनावश्यक अनुपूरक बजट प्रावधान	2.4.5	61
त्रुटियुक्त बजटिंग	2.4.6	62
निष्कर्ष एवं अनुशंसाएं	2.5	62
अध्याय 3		
वित्तीय प्रतिवेदन		
उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में विलंब	3.1	65
स्वायत्त निकायों के लेखाओं/पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों की प्रस्तुति में विलंब	3.2	66
दुर्विनियोग, हानियां, गबन इत्यादि की सूचना	3.3	67
विस्तृत प्रतिहस्ताक्षरित आकस्मिक देयकों की प्रस्तुति में विलंब	3.4	68
संक्षिप्त आकस्मिक देयकों के विरूद्ध विस्तृत प्रतिहस्ताक्षरित आकस्मिक देयकों की प्रस्तुति में विलंब	3.4.1	68
विभागीय प्राप्तियों एवं व्यय का मिलान	3.5	70
अस्थायी अग्रिमों का समायोजन न होना	3.6	70
लघु शीर्ष '800-अन्य प्राप्तियां' एवं '800-अन्य व्यय' के अंतर्गत बुकिंग	3.7	71
निकायों एवं प्राधिकरणों को दिए गए अनुदान या ऋण के विवरणों को प्रस्तुत न करना	3.8	72
व्यक्तिगत जमा खातों का रख-रखाव	3.9	72
निष्कर्ष एवं अनुशंसाएं	3.10	75

परिशिष्ट

सरल क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.1	राज्य रूपरेखा (मध्य प्रदेश)	79
1.2 भाग-क	सरकारी लेखों की संरचना	80
1.2 भाग-ख	पूर्ववर्ती मध्य प्रदेश राज्य की 31 मार्च 2014 को परिसंपत्तियों एवं देयताओं का उत्तरवर्ती मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के मध्य विभाजन दर्शाने वाला विवरण पत्र	81
1.3 भाग-क	राजकोषीय स्थिति के मूल्यांकन हेतु अंगीकृत प्रणाली	82
1.3 भाग-ख	राजकोषीय उत्तरदायित्व तथा बजट प्रबन्धन अधिनियम, 2005	83
1.3 भाग-ग	चयनित राजकोषीय संकेतकों की प्रवृत्ति	85
1.4	राज्य सरकार के वित्त के समयबद्ध आंकड़े	86
1.5 भाग-क	वर्ष 2013-14 के लिए प्राप्तियों एवं संवितरणों का सारांश	90
1.5 भाग-ख	31 मार्च 2014 को मध्य प्रदेश सरकार की सारांशीकृत वित्तीय स्थिति	94
1.6	खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं जनजातीय कल्याण विभाग के श्रेणी-2 के अंतर्गत बचतों का विवरण	96
1.7	वर्ष 2012-13 एवं 2013-14 के दौरान राजसहायता भुगतानों का विवरण	97
1.8 भाग-क	राज्य सरकार द्वारा नगरीय स्थानीय निकायों को कार्यों का हस्तांतरण	100
1.8 भाग-ख	राज्य सरकार द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को कार्यों का हस्तांतरण	100
1.9	अद्यतन वर्ष जिसके लिये लेखाओं को अन्तिम रूप दिया गया था, 31 मार्च 2014 की स्थिति में हानि में चलने वाले सांविधिक निगमों/सरकारी कम्पनियों की वित्तीय स्थिति	102
1.10 भाग-क	अपूर्ण परियोजनाओं का विवरण जिसमें प्रारंभिक बजट लागत का पुनरीक्षण किया गया-ऊर्जा विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण	104

सरल क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.10 भाग-ख	अपूर्ण परियोजनाओं का विवरण जिसमें प्रारंभिक बजट लागत का पुनरीक्षण नहीं किया गया-ऊर्जा विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण	104
1.10 भाग-ग	अपूर्ण परियोजनाओं का विवरण जिनमें वास्तविक व्यय, प्रारंभिक बजट से अधिक है लेकिन परियोजनाओं की लागत का पुनरीक्षण नहीं किया गया-जल संसाधन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग	104
1.11	मई 2014 तक विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत सार्वजनिक निजी साझेदारी परियोजनाओं की स्थिति	105
2.1	विभिन्न अनुदानों/विनियोगों जिनमें बचतें ₹ 10 करोड़ से अधिक और कुल प्रावधान का 20 प्रतिशत से भी अधिक थी, का विवरण पत्र	106
2.2 (क)	तालिका 2.2 में दिए गए अनुदानों/विनियोगों से संबंधित योजनाओं के प्रकरण जिनमें सारभूत बचतें (प्रत्येक प्रकरण में ₹ 20 करोड़ से अधिक) हुई	109
2.2 (ख)	अनुदानों/विनियोगों के अंतर्गत विभिन्न योजनाएं जिनमें प्रत्येक में व्यय ₹ 10 करोड़ से अधिक और कुल प्रावधान के 20 प्रतिशत से अधिक था, का विवरण पत्र	115
2.2 (ग)	योजनाओं के प्रकरण जिनमें सम्पूर्ण प्रावधान ₹ 10 करोड़ या अधिक अप्रयुक्त रहा	119
2.3	पिछले वर्षों के प्रावधान से अधिक व्यय जिसके नियमन की आवश्यकता है	126
2.4	वे प्रकरण जिनमें अनुपूरक प्रावधान (प्रत्येक प्रकरण में ₹ एक करोड़ अथवा इससे अधिक) अनावश्यक सिद्ध हुए	127
2.5	वे प्रकरण जिनमें अनुपूरक प्रावधान अधिक सिद्ध हुए	130
2.6	निधियों का अधिक/अनावश्यक पुनर्विनियोजन/समर्पण	132
2.7	₹ एक करोड़ तथा इससे अधिक एवं 20 प्रतिशत से अधिक की समर्पित नहीं की गयी बचतों का विवरण	135
2.8	31 मार्च 2014 को ₹ 10 करोड़ से अधिक निधियों के समर्पण के प्रकरण	138
2.9	व्यय की अत्यधिकता	140
2.10	बजट में प्रावधानित नवीन मद के व्यय के लिए ₹ एक करोड़ से अधिक का प्रावधान अप्रयुक्त दिखाए जाने वाला विवरण पत्र	143

सरल क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
2.11	ऐसे प्रकरण जिनमें पिछले दो वर्ष के दौरान ₹ एक करोड़ से अधिक के संपूर्ण प्रावधान अप्रयुक्त रहे	144
2.12	चयनित अनुदानों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अप्रयुक्त प्रावधान	148
2.13	चयनित अनुदानों में व्यय की अत्यधिकता	149
3.1	मार्च 2014 तक की स्थिति में लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्रों की विभागवार जानकारी	151
3.2	दुर्विनियोग, गबन आदि के प्रकरणों का विभागवार/अवधिवार ब्यौरा	152
3.3	चोरी, दुर्विनियोग/सरकारी सामग्रियों की हानि के प्रकरणों के संबंध में विभाग/संवर्गवार विवरण	154
3.4	2013-14 के दौरान अपलेखन के प्रकरणों के विभागवार विवरण	156
3.5	लघु शीर्ष '800-अन्य व्यय' के अंतर्गत बुकिंग	157
3.6	लघु शीर्ष '800-अन्य प्राप्तियों' के अंतर्गत बुकिंग	158